Written by Atul Pandey
Monday, 08 November 2010 10:06

ओझा-सोखा के चक्कर में दो बेटियों से हाथ धो बैठा बाप

:[illegible]:

ओझा-सोखा से इलाज कराने के चक्कर में कन्नौज के नसरिपुर गांव में दो मासूम बच्चियों की मौत हो गयी। मामला केवल अंधविश्विास का है। अगर परजिन बालकिओं के पेट दर्द होने पर तांत्रकि की बजा। डाक्टर के पास ले जाते तो शायद उनकी जान बच जाती।

पूरे गांव के लोगों का मानना था कि मंत्रों के बल पर तांत्रकि ने दो बालकिओं की जान ले ली। जानकार बताते हैं कि उन बच्चियों की हालत ज्यादा खराब नहीं थी। लेकनि तांत्रकि से इलाज कराने के चलते उनकी हालत बगिडी और उन दोनों ने तडप-तडप कर दम तोड दयिा। यही कारण था कि पूरे गांव वाले तांत्रकि पर उन्हें दोबारा जदिा करने का दबाव बना रहे थे।

शुक्रवार शाम नसरिपुर नविासी दलति अमर सहि दोहरे की बड़ी पुत्री नीलम की तबयित खराब हुई तो वह उसे चकित्सिक के यहां ले जाने की बजाय महादेवी घाट पर रहने वाले झाड़फूंक करने वाले ।क तांत्रकि के पास ले गया था। अमर सहि का कहना था कि उसके बाद नीलम की तबयित में कुछ सुधार हुआ था। तभी उसके घर से सूचना दी गई कि उसकी छह वर्षीय दूसरी पुत्री दुर्गा की तबयित भी खराब हो गई है। उन दोनों की मौत होने के बाद गांव वाले तांत्रकिों से झाड़फूंक कराते रहे। उन्हें यह वश्विास था कि तंत्र.मंत्र से बालकि।ं ठीक हो जा।ंगी। लेकनि ऐसा नहीं हुआ। गांववालों ने अपना गुस्सा गांव के तांत्रकि राजकुमार पर उतारा। गुस्साई भीड़ तांत्रकि राजकुमार के घर घुस गई और उसे पकड़ लाई। ग्रामीण पुलसि के शव उठाने का वरिोध कर रहे थे।